an>

Title: Issue regarding imposing excise duty on petrol and diesel.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Madam, on last Friday I wanted to raise this question but the House was not in order. We were also not present in the House because of the past incident, which I do not want to raise here, I could not raise the matter.

At present, on 2nd December, 2014, Government raised Excise Duty on petrol by Rs. 2.25 per litre and diesel by Re. 1 per litre. Oil firms decided to absorb the duty change for the time being and retail pump rates has not been increased thereby there is no impact on the consumers. The oil firms are absorbing the Excise Duty increased for now. They are keeping track of the changing scenario and will take appropriate steps as the situation warrants at the next revision.

Madam, as you know international prices of crude oil have come down from 120 US dollars to 65-70 US dollars. As per deregulation rules you have to pass on the benefits whatever is due owing to reduction of prices. So, instead of passing it on to the consumers, the Government is raising the excise duty and keeping it with them. They are going to get a benefit of nearly Rs. 15,000 crore to Rs. 16,000 crore out of this. This amount of Rs. 15,000 to Rs. 16,000 crore has to go to all the consumers who are using crude oil, petrol, diesel, etc.

एक तरफ आप डिरेगुलेशन की बात करते हैं कि जैसे इंटरनेशनल मार्केट में उनके प्राइस कम होंगे तो उनके प्राइस कम करेंगे। जब उनकी कीमत बढ़ती है तो आप उनकी कीमत बढ़ाते हैं। जब उनकी कीमत घट रही है तो आप उनकी कीमत क्यों नहीं घटा रहे हैं, यह मुझे समझ में नही आ रहा है। दूसरी चीज, दस से पन्द्रह हजार करोड़ रुपए की कोई कमी नहीं है तो आप बजट डेफिशिएट फिल-अप करने के लिए अगर उसका इस्तेमाल करेंगे तो कल आप हर चीज पर इनडायरेक्टली टैक्सेज लगा कर, इनडायरेक्टली एक्साइज ड्यूटी लगा कर, पैसे कलेक्ट कर अपने डेफिशिएट को पूरा करना चाहते हैं तो यह ठीक नहीं है। कंज्यूमर्स को यह पास-ऑन करना चाहिए। उनको प्रति लीटर 3 रुपया 25 पैसे टोटली बेनिफिट मिलना चाहिए, वह पास-ऑन नहीं हो रहा है।

एक और प्रचार चल रहा है कि नई सरकार के आने बाद सब चीजों के प्राइस घट गए हैं। ...(व्यवधान) जब इंटरनेशनल मार्केट में चीजों के दाम घटते हैं तो ऐटोमैटिकली यहां रिडक्शन होता ही है। ...(व्यवधान) यह भी प्रचार चला कि प्रधानमंत्री जी कई देशों में गए। ...(व्यवधान) वह अमेरीका, आस्ट्रेलिया, जापान, कई देशों में गए।...(व्यवधान) उन्होंने सारे देश के लोगों को कन्विन्स किया है, इसिलिए प्राइसेज घट गए है।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Everybody will not be allowed to speak on this issue. You can associate with him, if you want. I know that your name is there in the list. You can associate with him.

...(*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : अगर ऐसी चीजें होती हैं तो वह ठीक नहीं है।...(व्यवधान) यह कंज्यूमर्स को जाना चाहिए।...(व्यवधान) अगर कंज्यूमर्स का पैसा कोई आयल कम्पनी लेती है तो यह ठीक नहीं है।..(व्यवधान) इस संबंध में स्पष्ट स्टेटमेंट गवर्नमेंट की तरफ से आना चाहिए।...(व्यवधान) हमें बताएं कि वे क्या करने वाले हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री एस.पी. मुद्दाहनुमे,

श्री बी.वी.नाईक,

श्री बी.एन.चन्द्रप्पा,

श्री डी.के.सुरेश,

श्री आर. ध्रुवनारायण,

श्री पी.करुणाकरन,

श्री गौरव गोगोई,

प्रो. सौगत राय,

कुमारी सुष्मिता देव,

श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन,

श्री पी.के.बिजू और

श्री जोस के. मणि को श्री मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I have allowed him to speak in the 'Zero Hour'. Whosoever wants to associate with him, they can give their names.

...(*Interruptions*)

श्री एस.एस.अहलुवालिया (दार्जिलिंग): अध्यक्ष महोदया ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप चर्चा के लिए नोटिस दे दें तो में एलाउ करूंगी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप एसोशिएट करें। जब आप चर्चा के लिए नोटिस देंगे तो उस समय हम सोचेंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री एस.एस.अहलुवालिया : अध्यक्ष महोदया, मैं पश्चिम बंगाल, दार्जिलिंग लोक सभा से निर्वाचित हो कर आया हूं। मैं इस सदन में एक गंभीर मसला उठाना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

SHRI N.K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): Madam Speaker, I am on a point of order ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, जीरो अवर में प्वाइंट ऑफ ऑर्डर नहीं होता है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपको मैंने एसोशिएट करने का अवसर दिया है। अभी हम चर्चा नहीं कर रहे हैं। I am sorry, everybody cannot speak.

â€¦(व्यवधान)

श्री एस.एस.अहलुवालिया : महोदया, पश्चिम बंगाल के हरेक मंच पर देश के वर्तमान प्रधानमंत्री, माननीय नरेन्द्र मोदी जी के नाम पर ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कोई चर्चा होगी तो मैं आपको बोलने का अवसर दे दूंगी। मैंने आपको बोलने का अवसर दे दिया है लेकिन सबको यह अवसर नहीं मिल सकता है।

â€¦(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : His voice should be heard, Madam....(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : यह कोई डिसकशन नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : कृपया इनकी बात दो मिनट में सुन लें। ...(व्यवधान) अब तक आप इनकी बात सुन लेतीं तो यह खत्म हो गया होता।